16 जून, 2025 गोरखपुर।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृतिभवन सभागार में महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान, श्री गोरखनाथ मंदिर एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के सैद्धांतिक सत्र के दूसरे दिन मुख्य वक्ता एक्युप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान प्रयागराज के प्रो. संजय सिंह नें कहा कि मर्मदाब चिकित्सा पद्धति का वर्णन हमारे प्राचीन ग्रन्थों में प्राप्त होता है।

रामचरितमानस में सुग्रीव बाली संग्राम में सुग्रीव की पीड़ा को दूर करने के लिए भगवान राम ने उनकी पीठ पर अपने हाथों से स्पर्श कर ऊर्जा का संचार किया था, तो वही महाभारत में बाणों से बिधे हुए हुए भीष्म पितामह नें भी मर्मदाब चिकित्सा पद्धति अपनाकर पर इच्छा मृत्यु प्राप्त की थी।

उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में ऊर्जा को संचालित करने के लिए अनेक बिंदु विद्यमान हैं, जिन बिंदुओं के माध्यम से शरीर में ऊर्जा का संचार कर विभिन्न रोगों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शरीर में अच्छे व बुरे दो प्रकार की ऊर्जा विद्यमान है। मर्मदाब पद्धति द्वारा बुरे ऊर्जा को निष्क्रिय करते हुए अच्छे ऊर्जा को प्रवाहित कर बडी से बडी व्याधि को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे हाथों में जितने जोड़ हैं उन सभी का संबंध पूरे शरीर से है। बिना औषधि के भी मर्मदाब चिकित्सा विज्ञान द्वारा उन बिंदुओं का प्रयोग कर आरोग्य प्राप्ति संभव है। उन्होंने कहा कि योग भारत भूमि की ऐसी अपरिमेय सम्पत्ति है जो अनवरत अखण्ड, अटूट और नवीन दिशा का सन्धान करने वाली है। व्यक्तित्व के निर्णायक तत्वों का निर्माण भी योग से ही सम्भव है जिससे व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, धैर्य और अनुशासन का प्रादुर्भाव होता है। अनुशासन से व्यक्तित्व निर्माण होता है तथा व्यक्तित्व से चरित्र और चरित्र से नवीन समाज का सन्धान होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी पूज्य योगी कमलनाथ जी ने की। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुमार चतुर्वेदी नें किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्कृत विद्यापीठ के व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक पाण्डेय द्वारा पौराणिक मङ्गलाचरण से हुआ। संचालन संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य बृजेश मणि मिश्र नें किया।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षक नवनीत चौधरी, कमलेश मौर्य व संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य डाॅ. रोहित कुमार मिश्र, डॉ. दिग्विजय शुक्ल, शशि कुमार यादव, दीप नारायण,

पुरुषोत्तम चौबे, नित्यानन्द तिवारी सहित विभिन्न प्रान्तों से आये योग प्रशिक्षुओं की उपस्थिति रही।

कल योग के सैद्धांतिक सत्र में "नैतिक मूल्यों के संरक्षण में नाथपंथ की भूमिका" विषय पर मुख्य वक्ता डॉ० जयन्त नाथ, विशेषज्ञ, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयुष विभाग तथा नाथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, गोरखपुर का व्याख्यान होगा।